

पढ़िए सभा सम्मेलन के मौलिक अधिकार पर कब और कौन प्रतिबंध लगा सकता है Fundamental rights



लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

सभा एवं सम्मेलन करना लोकतंत्र में एक सहज एवं स्वाभाविक बात है। इसके माध्यम से एक दूसरे में विचारों का आदान प्रदान किया जाता है। इसी कारण कभी-कभी इसे वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जोड़ दिया जाता है या कहे तो दोनों एक दूसरे के पूरक होते हैं। सभा एवं सम्मेलन विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम समझा जाता है क्योंकि प्रकाशन को छोड़कर विचारों की अभिव्यक्ति का दूसरा कोई अच्छा माध्यम यही है इसलिए भारतीय संविधान में इसे मौलिक अधिकार के रूप में सम्मिलित किया गया है जानिए।

भारतीय संविधान अधिनियम, 1950 का अनुच्छेद 19(1)(ख) की परिभाषा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ख) भारतीय नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से बिना हथियार के सभा या सम्मेलन की स्वतंत्रता प्रदान करता है, इसमें सार्वजनिक सम्मेलन, प्रदर्शन, जुलूस, सभाएं को भी सम्मिलित किया गया है।

सभा एवं सम्मेलन के अधिकार की शर्तें

1. सभा या सम्मेलन शांतिपूर्ण होना चाहिए।
2. यह बिना हथियारों के होना चाहिए।
3. यह देश(राज्य) की प्रभुता, एकता और अखंडता एवं लोक-व्यवस्था, लोकशान्ति के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए। अर्थात् उपर्युक्त शर्तों के अधीन भारत का प्रत्येक नागरिक सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन आदि कर सकता है एवं यह उनका संवैधानिक अधिकार होगा।

जबलपुर-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए विशेष कंपनी के गठन की मंजूरी

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। कैबिनेट ने राज्य में औद्योगिक निवेश और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देने के लिए शत-प्रतिशत शासकीय स्वामित्व वाली %जबलपुर-इंदौर इकोनॉमिक कॉरिडोर डेवलपमेंट कंपनी% के गठन के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। अन्नदाताओं के हित में बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ वर्ष 2026 में सोयाबीन उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के लिए %पीएम-आशा% योजना अन्तर्गत भावांतर भुगतान योजना लागू करने की स्वीकृति दी गई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए लगभग 27,050 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मंत्रि-परिषद ने बुरहानपुर, रायसेन, मंदसौर और सिंगरौली की सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता के लिए 3,076.37 करोड़ रुपये तथा 16वें वित्त आयोग की अवधि के लिए विधि एवं विधायी कार्य विभाग की 15,557 करोड़ रुपये से अधिक की राशि की योजनाओं की निरंतरता को मंजूर की गई। प्रदेश में आयुष चिकित्सा विस्तार व राष्ट्रीय आयुष मिशन के लिए 5,232 करोड़ रुपये एवं शासकीय विद्यालयों के अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,875.20 करोड़ रुपये की निरंतरता की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त नवगठित जिलों-निवाड़ी, मऊगंज, पांडुर्णा व मैहर में महिला एवं बाल विकास कार्यालयों के लिए 24 नवीन पदों तथा जनजातीय सांदीपनि विद्यालयों के छात्र परिवहन के लिए 241 करोड़ 88 लाख रुपये का प्रावधान किया गया।



जबलपुर-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए विशेष कंपनी के गठन की मंजूरी प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं निवेश को नई गति देने के लिए मंत्रि-परिषद ने जबलपुर-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के साथ चयनित औद्योगिक एवं आर्थिक हबों के समेकित विकास के लिए पूर्णतः शासकीय स्वामित्व वाली विशेष कंपनी (एसपीवी) %जबलपुर-इंदौर इकोनॉमिक कॉरिडोर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड% गठित करने की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृति अनुसार कंपनी पर मध्यप्रदेश शासन का पूर्ण स्वामित्व एवं नियंत्रण रहेगा। कंपनी के सुदृढ़ वित्तीय आधार के लिए राज्य शासन द्वारा 100 करोड़ रुपये की प्रारंभिक चुकता पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। कंपनी के प्रभावी संचालन और नीतिगत निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय सामान्य निकाय गवर्निंग काउंसिल गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा नामित एवं नियुक्त उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक सशक्त कार्यकारी निकाय के माध्यम से कंपनी के कार्यों का संचालन किया जाएगा।

इकोनॉमिक हब के तीव्र और सुव्यवस्थित विकास के उद्देश्य से विशेष कंपनी को भूमि की पहचान, भूमि प्रबंधन, भू-अर्जन, भूमि विकास, जोनिंग, मास्टर प्लानिंग, ले-आउट, भू-आवंटन, लीज/सब-लीज, मोनेटाइजेशन तथा बुनियादी व सामाजिक अधोसंरचना के विकास की शक्तियां प्रदान की जाएंगी। आवश्यकतानुसार राज्य शासन की भूमि सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से रियायती दर या निर्धारित शर्तों पर कंपनी को उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना में वन भूमि की आवश्यकता होने पर संबंधित केंद्रीय एवं राज्य कानूनों, पूर्वानुमोदन, क्षतिपूर्ति वनीकरण तथा एनपीवी सहित सभी वैधानिक शर्तों की पूर्ति के बाद ही भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। कंपनी को %मध्यप्रदेश निवेश क्षेत्र विकास एवं प्रबंध अधिनियम, 2013% के अंतर्गत उपयुक्त इन्वेस्टमेंट रीजन एजेंसी के रूप में अधिकृत किया जाएगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम के अंतर्गत विधि विभाग की सहमति से अधिसूचित इकोनॉमिक हबों के लिए इसे नोडल एजेंसी के रूप में आवश्यक शक्तियां और दायित्व सौंपे जाएंगे।

इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर SI या ASI क्या कर सकता है क्या नहीं, पढ़िए BNSS section 188

क्रिमिनल केस के मामले की जांच कर सकता है और क्या नहीं। के लिए संबंधित थाने से अक्सर कोई सब इंस्पेक्टर अथवा असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर लोगों से संपर्क करता है और इन्वेस्टिगेशन करता है। वह संबंधित लोगों के बयान दर्ज करता है एवं साक्ष्य एकत्रित करता है। ज्यादातर लोगों का मानना होता है कि इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर स्लट्टरूम में किसी का भी नाम जोड़ सकता है अथवा काट सकता है। किसी को भी गिरफ्तार कर सकता है एवं कोर्ट में चालान पेश कर सकता है। आइए जानते हैं पुलिस डिपार्टमेंट के इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर (SI या ASI) क्या कर



लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

इंस्पेक्टर) किसी भी प्रकरण की जांच के लिए उस मामले की गंभीरता के अनुसार असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर अथवा सब इंस्पेक्टर को प्रतिनियुक्त करता है। ऐसी स्थिति में SI-ASI का कर्तव्य होता है कि वह निर्देशानुसार मामले की जांच करें। संबंधित लोगों के बयान दर्ज

करें। साक्ष्य एकत्रित करें एवं अपने नियुक्ति करता थाना प्रभारी इंस्पेक्टर को पूरी रिपोर्ट सौंप दें। यानी इन्वेस्टिगेशन के लिए आने वाला कोई भी SI-ASI ना तो FIR में किसी का नाम बढ़ा सकता है और ना ही काट सकता है। ना तो वह किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है और ना ही कोर्ट में चालान पेश कर सकता है। वह केवल इन्वेस्टिगेशन कर सकता है। इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट के आधार पर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर डिसीजन करता है कि उसे क्या कार्रवाई करनी है। सभी प्रकार की कार्यवाही के लिए कानूनी रूप से थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जिम्मेदार होता है।

मध्य प्रदेश में 18 साल बाद होमगार्ड भर्ती की तैयारी, 5,020 पदों पर होगी नियुक्ति

महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण, भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का अभ्यर्थियों को इंतजार

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए होमगार्ड भर्ती को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। प्रदेश में करीब 18 साल बाद होमगार्ड के 5,020 पदों पर नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इस भर्ती में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की बात कही गई है। भर्ती की खबर से लंबे समय से अवसर का इंतजार कर रहे युवाओं में उम्मीद जगी है। होमगार्ड विभाग में नई भर्ती की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता सुरक्षा व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर भर्ती होने से विभाग की कार्यक्षमता बढ़ने

की उम्मीद है। इस भर्ती में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। इससे महिला अभ्यर्थियों को भर्ती में भागीदारी का अवसर मिलेगा। हालांकि, आरक्षण की श्रेणी, पदों के वर्गीकरण और अन्य पात्रता संबंधी शर्तों की स्पष्ट जानकारी आधिकारिक भर्ती नियमावली जारी होने के बाद ही सामने आएगी। भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को सलाह है कि वे शारीरिक दक्षता, दौड़ और अन्य आवश्यक परीक्षणों की तैयारी शुरू रखें। साथ ही, शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, चयन प्रक्रिया और आवेदन की तारीखों से संबंधित आधिकारिक निर्देशों पर नजर बनाए रखें। अब भर्ती की अधिसूचना का इंतजार- 5,020 पदों पर भर्ती की तैयारी की खबर के बीच अभ्यर्थियों की नजर अब सरकार और होमगार्ड विभाग की आधिकारिक घोषणा पर है। आवेदन प्रक्रिया कब शुरू होगी, चयन के लिए कौन-से मानवंड लागू होंगे और पदों का वर्गीकरण विवरण क्या रहेगा, इन सवालों का जवाब आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

भालूमाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मवेशियों से भरा ट्रक जब्त, 21 भैंसा-भैंसी मुक्त; चालक गिरफ्तार

25.50 लाख रुपये का मशरूका जब्त, पशु तस्करी के मामले में चार लोगों के नाम सामने आए

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतमा/भालूमाड़ा। अनूपपुर जिले के थाना भालूमाड़ा पुलिस ने अवैध रूप से मवेशियों के परिवहन और पशु वस्त्रता के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 मवेशियों से भरा एक ट्रक जब्त किया है। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। जब्त ट्रक और मवेशियों की कुल कीमत लगभग 25 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। मामले में वाहन मालिक सहित अन्य तीन लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनके विरुद्ध पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री विक्रान्त मुराब के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगन्नाथ मरकाम तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना भालूमाड़ा पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 9 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रक में मवेशियों को लोड कर हरद



से बदरा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही भालूमाड़ा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हनुमान मंदिर, कुशियारा फाटक के पास घेराबंदी की। इस दौरान मौके पर एक ट्रक चालक मिला।

ट्रक में दूंस-दूंसकर भरे थे 21 मवेशी

पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में ट्रक की जांच की। जांच के दौरान अशोक लेलैंड कंपनी के सफेद रंग के ट्रक क्रमांक एच 31 क्र8590 में 19 भैंसे और 2 भैंसियां, कुल 21 मवेशी दूंस-दूंसकर वस्त्रतापूर्वक भरे हुए पाए गए। पुलिस ने ट्रक की कीमत लगभग 15 लाख रुपये तथा मवेशियों की कीमत

करीब 10 लाख 50 हजार रुपये आंकी है। इस प्रकार कुल 25 लाख 50 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया। जब्त मवेशियों को उनकी देखरेख एवं सुरक्षा के लिए कांजी हाउस, कोतमा में रखवाया गया है।

ट्रक चालक गिरफ्तार, तीन अन्य लोगों के नाम आए सामने

पुलिस ने मौके से चालक शहनबाज अहमद (34 वर्ष), पिता इकबाल अहमद, निवासी अकबरपुर उर्फ गंगागंज, थाना नवाबगंज, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चालक ने पूछताछ में वाहन मालिक के रूप में अजय कुमार सैनी का नाम बताया। साथ ही उसने फिरोज उर्फ सोनू कुरैशी, निवासी लफ्टा, थाना जैतहरी, जिला अनूपपुर से मवेशी मिलने तथा अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू के साथ काम करने की जानकारी दी। मामले में वाहन मालिक अजय कुमार सैनी, फिरोज उर्फ सोनू कुरैशी और अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू के नाम भी सामने

आए हैं। इन सभी की भूमिका की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

थाना भालूमाड़ा पुलिस ने अपराध क्रमांक 310/2026 के तहत पशु वस्त्रता निवारण अधिनियम की धारा 11(घ), मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धाराओं 4, 6, 6(क), 9, 10 एवं 11 तथा मोटरयान अधिनियम की धारा 66/192ए के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राधिका भगत, प्रधान आरक्षक 55 विवेक त्रिपाठी, आरक्षक 310 धर्मेन्द्र यादव, आरक्षक 217 प्रवीण भगत तथा चालक आरक्षक 575 दिनेश किराडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भालूमाड़ा पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध पशु परिवहन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

संभागायुक्त कार्यालय की समीक्षा बैठक में निर्देश लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि कार्यालय की विभिन्न शाखाओं में लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कार्यालय में ई-ऑफिस व्यवस्था को मजबूत बनाएं और ई-फाइल्स पर ही प्रकरण भिजवाएं। संभागायुक्त ने सोमवार को कमिशनर कार्यालय सभागार में संभागायुक्त कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के लंबित

प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में लंबित भूमि आवंटन प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण, लोकसेवा गारंटी अधिनियम प्रकरण, आयुक्त कार्यालय की विकास शाखा में लंबित प्रकरणों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। भोपाल जिले के लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक होने से उन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। विभागीय जांच के प्रकरणों और गूगल शीट

पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण संबंधी निर्देश दिए। सोहोर जिले में गूगल शीट पर प्राप्त शिकायतों की संख्या अधिक पाई गई। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि न्यायालयीन प्रकरणों में समय से जबाबदावा प्रस्तुत करना तथा दिए गए निर्णयों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

बिजुरी में बेखौफ चोर: हनुमान मंदिर चौक के पास घर के सामने से बाइक पार, वारदात प्लष्टज्जङ्क में कैद; पुलिस जांच तेज

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

नगर के हृदय स्थल माने जाने वाले हनुमान मंदिर चौक के समीप बाइक चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। व्यस्ततम और रिहायशी इलाके में हुई इस चोरी की घटना से स्थानीय नागरिकों में आक्रोश और सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है।

?ताला तोड़कर धक्का देते हुए ले गया बाइक

मिली जानकारी के मुताबिक, वारदात वार्ड क्रमांक 09 की है, जहां घर के बाहर खड़ी दोपहिया वाहन को अज्ञात चोर ने निशाना बनाया। शांति चोर ने पहले बड़ी चालाकी से बाइक का लॉक तोड़ा और फिर किसी को शक न हो, इसलिए उसे पैदल ही धक्का देते हुए मौके से रफूचककर हो गया। पूरी घटना नगर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड होने की बात सामने आई है।

सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर सवाल

नगर के मुख्य और चहल-पहल वाले इलाके में इस तरह बेखौफ अंदाज में हुई चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था और कैमरों की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य चौक-चौराहों के पास ऐसी वारदातें होना कानून व्यवस्था के लिए खुली चुनौती है।

पुलिस के रडार पर चोर, जल्द खुलासे की उम्मीद

घटना के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि संदिग्ध की स्पष्ट पहचान की जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

एम्स भोपाल की अपील कार्डाईड गन और देशी विस्फोटक उपकरणों से दूर रहें, सुरक्षित मनाएं दीपावली



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

दीपावली की खुशियां किसी परिवार के लिए जीवनभर का दर्द न बन जाएं, इसी उद्देश्य से एम्स भोपाल ने जन-जागरूकता एडवाइजरी जारी की है। आमजन से अपील की गई है कि वे कार्डाईड गन और अन्य देशी विस्फोटक उपकरणों से दूर रहें, क्योंकि इनका उपयोग गंभीर एवं जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। इन उपकरणों के विस्फोट से आंख, चेहरे,

हाथ, कान तथा शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लग सकती है। इससे व्यक्ति बुरी तरह जल सकता है और कई मामलों में स्थायी विकलांगता (जीवनभर रहने वाली शारीरिक अक्षमता) भी हो सकती है। सावधानी ही सुरक्षा है। बच्चों को ऐसे उपकरणों से दूर रखें और उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखें। आंख में चोट लगने पर तत्काल नेत्र विशेषज्ञ (आंखों के डॉक्टर) या अस्पताल में चिकित्सा सहायता लें। जलने की स्थिति

में प्रभावित स्थान को साफ बहते पानी से लगभग 20 मिनट तक ठंडा करें। रक्तस्राव (खून बहना) होने पर साफ कपड़े या गॉज (घाव पर रखी जाने वाली जालीदार सूती पट्टी) से हल्का दबाव देकर रक्तस्राव रोकने का प्रयास करें। आवश्यकता होने पर तुरंत अस्पताल पहुंचें। बेहोशी, अत्यधिक रक्तस्राव, सांस लेने में परेशानी, आंख की गंभीर चोट या शरीर के बड़े हिस्से में जलने की स्थिति में बिना देर किए निकटतम आपातकालीन चिकित्सा केंद्र पहुंचें। कार्डाईड गन अथवा किसी भी प्रकार के देशी विस्फोटक उपकरण का उपयोग न करें। किसी भी विस्फोटक उपकरण को हाथ में लेकर, चेहरे के पास रखकर या बंद स्थान में न चलाएं। खराब या असफल उपकरण को दोबारा चलाने, खोलने अथवा उसके पास जाने का प्रयास न करें। आंख में चोट लगने पर आंख को गंड़ें नहीं। आंख में कोई घरेलू पदार्थ या बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई दवा न डालें। जले हुए स्थान पर बर्फ, टूथपेस्ट, तेल या अन्य घरेलू पदार्थ न लगाएं। एम्स भोपाल में चौबीसों घंटे, सातों दिन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। एम्स भोपाल का संदेश है- सुरक्षित दीपावली, स्वस्थ दीपावली।

300 परिवारों का अंगूठा लगवाकर राशन गायब करने का सेल्समैन पर लगा आरोप, कार्यवाही की मांग



शहडोल

जिले में गरीब आदिवासियों के निवाले पर ही डाका डालने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान पर हितग्राहियों से अंगूठा तो लगवा लिया गया, लेकिन उन्हें दो महीने का राशन नहीं दिया गया। बुद्धर जनपद के अंतर्गत झीक बिजुरी लैम्स के तहत संचालित छतई की शासकीय राशन दुकान के तत्कालीन विक्रेता मोहम्मद अमीन पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उसने हितग्राहियों से चालाकी से अंगूठा लगवाकर उनके हिस्से का राशन अवैध तरीके से आहरित कर लिया, लेकिन उपभोक्ताओं को अनाज नहीं मिला। इस कथित अनियमितता और धांधली से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ग्रामीण अपनी पीड़ा बयां कर रहे हैं। ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद विभागीय स्तर पर जांच की गई, जिसके आधार पर तत्कालीन विक्रेता मोहम्मद

अमीन को निर्लंबित कर दिया गया है। इसके बाद दुकान संचालन की जिम्मेदारी नए विक्रेता जैनुल को सौंप दी गई है। हालांकि, स्थानीय ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों का कहना है कि विक्रेता के बदलने के बावजूद उन्हें अब तक पिछले दो महीनों का रुका हुआ राशन नहीं मिला है, जिसके कारण वे अपने हक के अनाज के लिए लगातार भटकने को मजबूर हैं।

इस मामले को लेकर उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है। पीड़ित उपभोक्ता रंगदेव सिंह, जय भान सिंह, रामकली सहित अन्य पीड़ित गृहणी महिलाओं ने शासन-प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनसे धोखाधड़ी कर हड़पा गया राशन उन्हें जल्द से जल्द दिलाया जाए और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल, इस खुलासे के बाद खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली और राशन वितरण प्रणाली की पारदर्शिता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

त्योहारों में मिलावट रोकने चलेगा विशेष निरीक्षण अभियान जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक अपर कलेक्टर प्रकाश नायक की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम, छात्रावासों, विद्यालयों, अस्पतालों एवं मेस-कैंटीन में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की जांच, खाद्य कारोबारकर्ताओं के प्रशिक्षण तथा शासकीय संस्थानों में सुरक्षित भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक एवं अन्य अधिकारियों ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में खाद्य पदार्थों के निरीक्षण, नमूना संकलन, न्यायालयीन प्रकरणों, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री की गतिविधियों तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, 1 जुलाई से 12 अक्टूबर 2026 तक जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कुल 564 निरीक्षण किए गए। इस अवधि में 337 रेगुलेटरी एवं 409 सर्विलांस नमूने संकलित किए गए। प्रयोगशाला जांच में 20 नमूने मानक तथा



17 नमूने असुरक्षित पाए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जब्त खाद्य सामग्री का कुल मूल्य 32 लाख 40 हजार 131 रुपये बताया गया। दूध, पनीर सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावट पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरीक्षण एवं नमूना संकलन की कार्रवाई निरंतर जारी रखने पर जोर दिया गया। असुरक्षित पाए गए नमूनों के संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि विगत तीन माह में अपर कलेक्टर न्यायालय में खाद्य सुरक्षा संबंधी 68 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 13

प्रकरणों का निराकरण किया गया। खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान और सुरक्षित खाद्य व्यवहार के प्रति नागरिकों एवं खाद्य कारोबारकर्ताओं को जागरूक करने के लिए मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री के माध्यम से संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। उपलब्ध विवरण के अनुसार, 19 कार्यक्रम, 30 जन-जागरूकता कार्यक्रम तथा 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन गतिविधियों के अंतर्गत कुल 916 खाद्य नमूनों की टेस्टिंग की गई। आगामी दशहरा, नवरात्रि एवं दीपावली के मद्देनजर मिठाइयों, दूध एवं दुग्ध उत्पादों, नमकीन तथा अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने, संदिग्ध खाद्य सामग्री के नमूने लेने तथा खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण एवं रखरखाव की परिस्थितियों की जांच करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निजी एवं

शासकीय छात्रावासों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों तथा आवासीय शिक्षण संस्थानों में संचालित मेस और कैंटीन की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। भोजन एवं खाद्य सामग्री में छिपकली सहित अवांछित जीव-जंतु पाए जाने जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की आवश्यकता पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। अधिकारियों की टीमों गठित कर संबंधित संस्थानों में निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रसोईघर की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, कीट एवं जीव-जंतुओं से बचाव, भोजन तैयार करने एवं परोसने में स्वच्छता मानकों के पालन तथा आवश्यक खाद्य सुरक्षा पंजीयन एवं लाइसेंस की जांच करने पर जोर दिया गया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (Ration) की उचित मूल्य दुकानों, महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ियों, मध्याह्न भोजन व्यवस्था तथा आबकारी विभाग सहित विभिन्न शासकीय विभागों के क्लब, कैंटीन एवं मेस में लागू खाद्य सुरक्षा प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जोश टीम का शुभारंभ राजधानी भोपाल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

भोपाल जिले के 2 ब्लॉक्स के टीबी मुक्त भारत जोश टीम (माई भारत के स्वयंसेवक एवं एनसीसी कैडेट्स) का मुख्य अतिथियों के साथ सामूहिक छायाचित्र लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि देश भर में शुरू की गई %जोश% टीम जन-स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम छोर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगी। इसके साथ ही, प्रदेश भर के सभी 55 जिलों से माननीय जनप्रतिनिधि गण, सरपंच, स्थानीय निकाय प्रतिनिधि, एनसीसी कैडेट्स, माई भारत स्वयंसेवक और स्वास्थ्य कार्यकर्ता वर्चुअल माध्यम से जुड़े। पूरे प्रदेश से लगभग 5,000 से अधिक लोगों ने ऑनलाइन जुड़कर इस ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी शुभारंभ को देखा और जन-स्वास्थ्य अभियानों को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

मां की आराधना के साथ मानव सेवा ही नवरात्रि का सच्चा संदेश

अनूपपुर जिला के राजनगर बनगवा के देवी मंदिरों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, महाआरती और भंडारों के जरिये भक्ति के साथ सेवा सद्भाव का वातावरण

बंगाली पंडाल राजनगर में भी भव्य रूप से माता रानी का दरबार सजाया गया है और यहां की विशेषता है कि कोलकाता की तरह पूजा अर्चना और विशेष कर बंगाली नियमों के अनुसार पूजा पाठ होता है यहां भी श्रद्धालु बड़े ही भाव के साथ और माता रानी के दरबार में उपस्थित होकर आशीर्वाद और प्रसाद प्राप्त करते हैं बड़ा ही मनमोहक और सुंदर दृश्य यहां देखने को मिलता है साथ में कई आकर्षक कार्यक्रम भी होते हैं जिसमें गरबा डांडिया शामिल है

**फुले, सावित्री और बाबा साहब के मार्ग
को भूलकर कहां जा रही है नारी?**

इसलिए आह्वान स्पष्ट है - महिलाओं को बाबाओं के दरबार नहीं, बल्कि सावित्री की किताब और बाबा साहब के संविधान की ओर लौटना होगा। तभी तार्किक नारी सशक्त समाज गढ़ पाएगी।
लेखक- अतर सिंह भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता, मध्य प्रदेश

छात्रावास की समस्याओं को लेकर छात्राओं और आजक्स युवा छात्रसंघ ने किया कमिश्नर कार्यालय का घेराव भोपाल



हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल ! शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास, पंचशील नगर की छात्राओं एवं आजक्स युवा छात्रसंघ, भोपाल द्वारा छात्रावास में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने भोजन में कीड़े निकलने, वार्डन की उचित व्यवस्था न होने, शिकायत करने पर कर्मचारियों द्वारा दुर्व्यवहार तथा पानी, बिजली, वॉशरूम एवं साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान विभाग के सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य ने छात्राओं एवं छात्रसंघ प्रतिनिधियों से मुलाकात कर समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। आजक्स युवा छात्रसंघ ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो छात्रसंघ पुनः आंदोलन करेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पुल से नीचे गिरी बाइक, नानी-नाती व पोते सहित तीन की हुई मौत, पुलिस जांच में जुटी

**रिश्तेदार के यहाँ कथा
आयोजन से वापस आ रहे थे घर**

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

फुनगा चौकी के अंतर्गत वाहन की टक्कर से बाइक पुल के नीचे जा गिरी। इस घटना में बाइक सवार नानी-नाती की मौत पर ही मौत हो गई। जबकि पोते ने अस्पताल में दम तोड़ा। बताया जा रहा है कि यह सभी कथा में गए थे। घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। यह घटना ग्राम पंचायत पाली के पास की है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर हादसे की वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

मृतकों की पहचान आर्यन केवट 21 वर्ष पिता रामस्वरूप केवट, पंकज केवट 22 वर्ष पिता राजेश केवट और देववती केवट 56 वर्ष पति बद्री केवट तीनों निवासी ग्राम बकेली थाना कोतवाली अनूपपुर के रूप में हुई है। रिश्ते में मृतकों में पंकज केवट जो आर्यन केवट का फुफेरा भाई है, जबकि मृतका देववती केवट आर्यन केवट की दादी और पंकज केवट की नानी लगती



है। घटना में पंकज केवट और देववती केवट की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि आर्यन केवट को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुनगा में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। यहां पहुंचने के दौरान ही आर्यन केवट की मौत हो गई।

मृतक आर्यन केवट का चचेरा भाई दीपक केवट ने बताया कि बिजुरी स्थित रिश्तेदार में एक व्यक्ति तीर्थ यात्रा कर वापस से बिजुरी लौटा था, इसके उपलक्ष्य में कथा का आयोजन किया गया था। बकेली स्थित

गांव से कथा में शामिल होने के लिए आर्यन केवट अपने फुफेरे भाई पंकज केवट और दादी के साथ बाइक स्कूटर 65 ट 9444 पर सवार बिजुरी गया था, जहां रात में रुकने के उपरांत सुबह बिजुरी से बकेली घर वापसी लौट रहा था। इसी दौरान पाली ग्राम पंचायत पहुंचते हैं पुल के पास अचानक बाइक पुल पर खड़ी तीन फीट ऊंची दीवाल की रेलिंग को पार करती नीचे गिर गई। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल के पास जब बाइक गुजर रही थी तो सामने से कोई अज्ञात वाहन भी गुजरा, संभवतः इसके टक्कर के बाद बाइक पुल से नीचे अनियंत्रित होकर जा गिरी।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मामा के घर अहान के आगमन की खुशियां

विवेक ने स्मार्ट सिटी पार्क में शिवराज सिंह चौहान के साथ किया पौधारोपण



हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल - भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के परिवार में नन्हे मेहमान अहान के आगमन से खुशियों का माहौल है पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के छोटे पुत्र कुणाल चौहान एवं श्रीमती रिद्धि चौहान को पुत्ररत्न की प्राप्ति पर परिवार को बधाई देने और नवजात अहान के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं सहित वरिष्ठ समाजसेवी पत्रकार एवं कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष अहिरवार समाज संघ मप्र श्री रविन्द्र भास्कर ने यूथ आइडल अधिवक्ता विवेक भास्कर के साथ परिवारिक सौजन्य भेंट कर चौहान जी को मंगलकामनाओं सहित बधाई दी है।

बता दें कि इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत सरकार कैबिनेट मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ वरिष्ठ समाजसेवी रविन्द्र भास्कर एवं अधिवक्ता विवेक भास्कर ने भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में पीपल का पौधा रोपण कर नन्हे अहान के सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं सहित शिवराज सिंह चौहान एवं श्रीमती साधना सिंह चौहान के पुनः दादा-दादी बनने की खुशी के बीच पौधारोपण का यह अवसर पारिवारिक आत्मीयता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला रहा है।

अहान के आगमन की खुशियों को यादगार बनाते हुए पौधा रोपण प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने और आने वाली पीढ़ियों को हरित वातावरण देने का संकल्प भी व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विवेक भास्कर ने चर्चा के दौरान बताया कि यह संदेश दिया गया कि परिवार में नए जीवन का आगमन नई उम्मीदों, सपनों और संभावनाओं का प्रतीक है। जिस प्रकार एक बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए परिवार संस्कार, शिक्षा और अच्छे वातावरण की नींव रखता है, उसी प्रकार पौधारोपण के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में भी प्रयास करना आवश्यक है।

अहान के आगमन पर दी गई शुभकामनाओं के साथ किया गया पौधारोपण इस बात का प्रतीक बना कि जीवन के सुखद अवसरों को सामाजिक सरोकारों से जोड़कर और भी सार्थक बनाया जा सकता है।

इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने सभी का आभार प्रकट करते हुए मिठाई खिलाकर आभार प्रकट किया

इस मौके पर प्रमुख रूप से देवेन्द्र योगी भोपाल, सचिन पासवान, खुशबू महर, आकाश चौहान समेत अन्य वरिष्ठजन उपस्थित रहे

रायसेन के नवागत कलेक्टर रोहित सिसोनिया ने संभाला पदभार, कलेक्ट्रेट के सभी विभागों का किया निरीक्षण

हल्केवीर सूर्यवंशी 7 रायसेन, मध्य प्रदेश

रायसेन। रायसेन जिले के नवागत कलेक्टर श्री रोहित सिसोनिया ने 15 अक्टूबर 2026 को पदभार ग्रहण करने के बाद कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय कामकाज की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए।

पदभार संभालने के बाद कलेक्टर श्री सिसोनिया ने कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने कार्यालयों में निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने, शासकीय कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने तथा आम नागरिकों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कार्य करें। उन्होंने कार्यों में अनावश्यक देरी से बचने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

2017 बैच के आईएएस अधिकारी हैं



रोहित सिसोनिया

नवागत कलेक्टर श्री रोहित सिसोनिया वर्ष 2017 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (ट्रु) के अधिकारी हैं। उन्हें रायसेन जिले की प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने श्री अरविंद कुमार विश्वकर्मा के स्थान पर रायसेन कलेक्टर का पदभार संभाला है।

आमजन की समस्याओं के निराकरण पर रहेगा जोर

नए कलेक्टर के पदभार ग्रहण करने के साथ ही जिले में प्रशासनिक गतिविधियों को लेकर नई शुरुआत हुई है। निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों से स्पष्ट है कि कार्यालयीन अनुशासन, समयबद्ध कार्यप्रणाली और अधिकारियों की जवाबदेही पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ब्यौहारी में ओबीसी मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर सौपा झापन, बड़ी संख्या में पदाधिकारी रहे मौजूद

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक
(युवा प्रदेश)

ब्यौहारी (शहडोल)। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों और स्थानीय समस्याओं को लेकर आज ब्यौहारी में ओबीसी मोर्चा एवं समाज के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक महत्वपूर्ण झापन सौपा गया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ नेता, एडवोकेट और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सौपे गए झापन में ओबीसी समाज की विभिन्न लंबित मांगों और स्थानीय जनहित के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई करने की मांग की गई है। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई को पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनय पटेल, जिला महासचिव राकेश पटेल, युवा अध्यक्ष कमलेश पटेल और मटारुमा अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहे।



झापन सौपने के दौरान मुख्य रूप से ये रहे उपस्थित- कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश प्रसाद, अशोक पटेल, संदीप पटेल, अभय राज पटेल, लल्लू प्रसाद यादव, राकेश कुमार

पटेल, रामनरेश बर्मन, रवीन्द्र प्रसाद पाण्डेय, आर. डी. पटेल, राजकुमार पटेल, कमलेश कुमार, राकेश पटेल, प्रमोद कुमार पटेल, वीरेन्द्र कुमार पटेल, धर्मेन्द्र पटेल, पवन कुमार पटेल, विनोद

तिवारी, नरेन्द्र वर्मा, आशुतोष पटेल और श्री रामप्रताप कुशवाहा जी मौजूद रहे। इनके अलावा राजेंद्र पटेल, नागेंद्र पटेल, रेखा देवी पटेल, अभय राम पटेल, राकेश कुमार पटेल, बल्लू प्रसाद यादव,

एड. रामनरेश बर्मन, रवीन्द्र प्रसाद यादव, पूर्व राजकुमार पटेल, आर. डी. पटेल, लाल बहादुर सिंह नेटी, राममनोहर पटेल, सोहन पटेल, राममणि नापित, राघवेंद्र पटेल, प्रमोद कुमार पटेल, अवधेश यादव, पुष्पेन्द्र सिंह यादव, वीरेन्द्र पटेल बूजवासी और लाल बहादुर नेटी जी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अधिवक्ता संघ ने भी दिया समर्थन- इस दौरान कानूनविदों और अधिवक्ताओं ने भी बड़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें प्रमुख रूप से लाल एडवोकेट, धीरेंद्र पटेल एडवोकेट, तरुणेश पटेल एडवोकेट, विनोद ताम्रकार, राकेश पटेल एडवोकेट और ओम प्रकाश पटेल एडवोकेट शामिल रहे।

उपस्थित जनसमूह ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि झापन में शामिल मांगों पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो समाज आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

श्री बालाजी इंजीनियरिंग कॉलेज में गरबा उत्सव, विद्यार्थियों को मिले पुरस्कार

गरबा नृत्य और श्रृंगार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों का सम्मान

बैतूल।

श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में नवरात्रि के अवसर पर गरबा उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. पी.जे. शाह, डायरेक्टर ए.एस. ठाकुर और प्रो. वी.के. पांडे ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। छात्र-छात्राओं ने उत्साह से गरबा प्रस्तुत किया।

गरबा डांस में पॉलिटेक्निक प्रथम वर्ष के श्रवण पवार और बीटेक तृतीय वर्ष की अपूर्वा परिहार विजेता रहे। बेस्ट गरबा श्रृंगार का पुरस्कार बीटेक तृतीय वर्ष के रुद्रराज वाघ और अनन्या शर्मा को मिला, जबकि विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार प्रथम वर्ष की तनु लोखंडे ने प्राप्त किया। आयोजन इवेंट इंचार्ज प्रो. हंसराज धाड़से, प्रो. अंकित खासदेव और प्रो. पुष्पा मोंगरकर के नेतृत्व में हुआ। सांस्कृतिक प्रभारी प्रो. ललित आर्य की वार्षिक रूपरेखा के तहत आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार प्राचार्य, डायरेक्टर, डीन एकेडमिक प्रो. भावेश खासदेव, वाइस प्रिंसिपल



शशांक माने, प्रथम वर्ष विभागाध्यक्ष प्रो. वी.के. मालवीय, सिविल विभागाध्यक्ष प्रो. हेमंत बड़ौदे और डॉ. पंकज सिंह सिसोदिया ने प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन छात्र समूह क्लाउड-नाइन-टेक ने स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर प्रवीण

परिहार, गौतम राठौर और हर्षित लोखंडे के नेतृत्व में किया। अनुशासन समिति के प्रो. अंकुर राठौर, प्रो. हेमंत दवंडे, प्रो. सौरभ राठौर, प्रो. अनिरुद्ध दारुडकर, प्रो. पवन पटने, सहयोगी स्टाफ और विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

बुधनी के कोशमी जैसा मामला बैतूल में भी? ढोक्या पाढर में 35 एकड़ जमीन पर 70 साल से खेती कर रहे आदिवासी परिवार, पट्टे नहीं

बैतूल।

ढोक्या पाढर में 10 से 12 आदिवासी परिवारों द्वारा करीब 35 एकड़ जमीन पर लगभग 70 साल से खेती किए जाने और किसी भी परिवार के पास पट्टा नहीं होने का मामला सामने आया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य, पूर्व संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक स्पेंसर लाल ने ग्रामीणों से चर्चा के बाद कहा कि परिवार तहसील में अपनी बात रखने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन परिवारों के साथ अन्याय हुआ तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बैतूल विधायक एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से भी इस मामले में आवाज उठाने की अपेक्षा जताई।

- ग्रामीणों से चर्चा में सामने आया

मामला

स्पेंसर लाल के अनुसार, ग्राम ढोक्या पाढर में ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जानकारी मिली कि करीब 10 से 12 आदिवासी परिवार लगभग 35 एकड़ जमीन पर सात दशक से खेती कर अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रहे हैं। उनके पास जमीन के पट्टे नहीं हैं। ग्रामीणों के साथ इस विषय पर चर्चा की गई कि वे तहसील पहुंचकर अपनी बात किस तरह रख सकते हैं।

- बुधनी के कोशमी का दिया

उदाहरण

स्पेंसर लाल ने बुधनी के कोशमी गांव का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भी आदिवासी परिवारों से जुड़ा ऐसा मामला सामने आया था। उनके अनुसार, उस प्रकरण में सरकारी अधिकारियों का व्यवहार संवेदनशील नहीं था। उन्होंने कहा कि



चार-पांच आदिवासी परिवारों के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आवाज उठाई थी।

- हेमंत खंडेलवाल से हस्तक्षेप की अपेक्षा

स्पेंसर लाल ने बैतूल विधानसभा क्षेत्र के विधायक और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से सवाल किया कि क्या वे ढोक्या पाढर के आदिवासी परिवारों की समस्या के समाधान के लिए भी आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि जब समस्या एक जैसी है, तो न्याय भी समान होना चाहिए। उन्होंने इन परिवारों को न्याय मिलने की उम्मीद जताई।

- अन्याय होने पर आंदोलन की चेतावनी

स्पेंसर लाल ने कहा कि यदि ढोक्या पाढर के आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय हुआ तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। अब इस मामले में ग्रामीणों की ओर से तहसील में रखी जाने वाली बात और जमीन पर उनके दावों की जांच के बाद प्रशासन की कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

पसान उपाध्यक्ष पर टेंट संचालक ने लगाए टेंडर के पैसे न देने के आरोप

भालूमाड़ा थाने सहित एसपी कलेक्टर कार्यालय तक पहुंची शिकायत

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

भालूमाड़ा। एक तरफ पसान नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष उपाध्यक्ष का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। वार्ड नम्बर 11 में निर्माणाधीन मंगल भवन को उपाध्यक्ष अजय यादव द्वारा एसईसीएल की जमीन पर बिना अनुमति के निर्माण होने के आरोप लगाकर नगरीय प्रशासन विभाग एवं एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र में शिकायत कर निर्माणाधीन मंगल भवन के कार्य को रुकवा दिए हैं। जिससे नाराज होकर समस्त 16 पार्षद परिषद में निंदा प्रस्ताव लाने के बाद अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही हेतु कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी अनूपपुर को ज्ञापन सौंप चुके हैं। एक तरफ जहां पसान नगर पालिका के

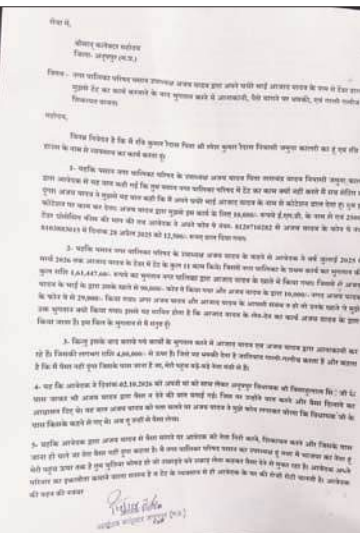
अध्यक्ष राम अवध सिंह मीडिया के सामने अपनी बात रखकर एस ई सीएल की लीज समाप्त होने एवं अनुपयोगी भूमि पर मंगल भवन निर्माण हेतु जिला प्रशासन एवं कालरी प्रबंधन की सहमति पर जनहित हेतु मंगल भवन का निर्माण बता रहे हैं। जिसकी खबरें लगातार मीडिया प्रकाशित कर रही है। वहीं उपाध्यक्ष अजय यादव मीडिया वालों को सच्चाई न दिखाकर एकतरफा खबर चलाकर उनकी छवि बिगाड़ने की बात सोशल मीडिया में स्वयं एवं परिजनों के सोशल मीडिया एकाउंट द्वारा लिखवाकर पत्रकारों को एक तरफा खबर चलाने उनका पक्ष न छापने के आरोप लगा रहे हैं। सबसे बड़ी बात पसान नगर पालिका के उपाध्यक्ष अजय यादव जहां पसान नगर पालिका में स्वयं या अपने किसी भी रिश्तेदार के नाम से कोई भी निर्माण कार्य न करने व समस्त पार्षदों व अध्यक्ष राम अवध सिंह द्वारा लगाए आरोपों को सिरे से नकार कर पूरी पसान नगर



पालिका परिषद के 17 पार्षदों द्वारा प्रस्तुत निंदा प्रस्ताव व कलेक्टर को सौंपे गए अविश्वास प्रस्ताव को ही गलत बता रहे हैं। इसी बीच उपाध्यक्ष अजय यादव के इन दलीलों को सिरे खारिज करते हुए। जमुना निवासी टेंट संचालक ने अजय यादव द्वारा उनके चचेरे भाई आजाद यादव के नाम से टेंडर डालकर टेंट का कार्य कराने के बाद अजय यादव द्वारा उनके चचेरे भाई के खाते में भुगतान होने के बाद भी टेंट संचालक को 4 लाख 30 हजार भुगतान न करने एवं जमा एफडीआर की रकम 20 हजार भी देने से मना करने के आरोप मीडिया के सामने टेंट संचालक ने लगाए हैं। उक्त मामले को लेकर भालूमाड़ा थाना सहित पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं कलेक्टर अनूपपुर से लिखित शिकायत दी गई है।

क्या है मामला।

जमुना निवासी रवि कुमार रैदास जो रवि टेंट हाउस के संचालक हैं। उन्होंने भालूमाड़ा थाने सहित पुलिस अधीक्षक एवं



कलेक्टर कार्यालय में लिखित शिकायत देते हुए पसान नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष अजय यादव पर यह आरोप लगाए हैं कि उन्होंने अपने चचेरे भाई आजाद यादव के नाम से जुलाई 25 से मार्च 26 तक टेंट डलवाकर रवि टेंट हाउस संचालक से नगर पालिका में टेंट का 11 काम करवाने के बाद बिल के भुगतान की रकम आजाद यादव के खाते में भुगतान होने के बावजूद अजय यादव टेंट संचालक को मात्र 4 कार्यों का बिल भुगतान करने के बाद शेष 7 कार्यों का पैसा लगभग 4 लाख से अधिक की रकम नहीं दे रहे हैं। टेंट संचालक द्वारा बीते 5 माह से लगातार पैसा मांगने पर उपाध्यक्ष अजय यादव पैसा देने में आनाकानी कर पैसा मांगने पर अपशब्दों का प्रयोग कर जो करते बने कर ले पैसा नहीं दूंगा कि धमकी देने के आरोप लगाये हैं।

बिसाहुलाल सिंह तक पहुंचा मामला तो उपाध्यक्ष ने देने से किया इंकार ?

टेंट संचालक ने पुलिस को सौंपे गए



शिकायत पत्र में यह बात भी लिखी है कि वो 2 अक्टूबर को अपनी मां को साथ लेकर पूर्व मंत्री व वर्तमान अनूपपुर विधायक बिसाहुलाल सिंह से भी उपाध्यक्ष अजय यादव द्वारा टेंट का काम कराकर पैसा न देने की बात बताई थी। जिसपर बिसाहुलाल सिंह ने अजय यादव से बातकर पैसा वापस दिलाने की बात कही थी।

पहले मिली पैसा न देने की धमकी फिर मिला 3 दिन का आश्वासन शिकायत पत्र में यह बात भी लिखी है कि परासी से लौटने के बाद उपाध्यक्ष अजय यादव द्वारा टेंट संचालक को फोन काल में पहले किसके कहने से बिसाहुलाल के यहां गया। अब जा उन्हीं से पैसा लेना बहुत नेतागिरी करने अपशब्दों के साथ धमकी मिली।

क्या वाकई आजाद के नाम पर अजय करते हैं ठेकेदारी के काम ? टेंट संचालक रवि रैदास की शिकायत से एक बात तो स्पष्ट है कि अजय यादव द्वारा



पसान नगर पालिका में स्वयं या अपने रिश्तेदारों द्वारा कोई भी काम न करने की बात पूर्णतया झूठी है। यह आरोप कितने सच है या कितने झूठ यह तो टेंट संचालक, पसान नगर पालिका के उपाध्यक्ष अजय यादव, टेंट धारी आजाद यादव एवं पूर्व मंत्री व वर्तमान अनूपपुर विधायक बिसाहुलाल सिंह ही जानें। मगर यदि यह आरोप सत्य निकले तो उपाध्यक्ष जनता को क्या जवाब दे पाएंगे कि उन्होंने कभी पसान नगर पालिका में स्वयं या अपने किसी भी रिश्तेदार के नाम से कोई ठेकेदारी का काम किए ही नहीं हैं। तो टेंट संचालक द्वारा लगाए गए आरोप क्या झूठे हैं।

इनका कहना है।

मामले की शिकायत प्राप्त हुई है। जांच के लिए दिया गया है। जांच उपरांत यदि शिकायत प्रमाणित पाई गई तो कार्यवाही की जाएगी।

राधिका भगत थाना प्रभारी, भालूमाड़ा

लाखों रुपए की लागत से बनी ध्यान कुटियां धराशायी, देखरेख के अभाव में उजड़ी पर्यटन योजना

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

पवित्र नगरी अमरकंटक के शंभूधारा स्थित आरक्षित वन क्षेत्र में पर्यटकों और साधकों को प्राकृतिक वातावरण में ध्यान-साधना की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई ध्यान कुटियां बहाली का शिकार हो गई हैं। जलाशय के किनारे प्राकृतिक संसाधनों से निर्मित ये कुटियां उचित देखरेख के अभाव में जर्जर होकर धराशायी हो चुकी हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित इस परियोजना की दुर्दशा को लेकर अब जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 21 जनवरी 2022 को घोषित इस परियोजना को मध्यप्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से



विकसित किया गया था। इन कुटियों के निर्माण में मिट्टी, पत्थर, बांस, लकड़ी और मोवा घास जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया गया था, ताकि जंगल के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखते हुए पर्यटकों को शांत वातावरण उपलब्ध कराया जा

सके। बारिश और रखरखाव की कमी से बिगड़ी स्थिति परियोजना का उद्देश्य पर्यटकों को प्रकृति के बीच एकांत में समय बिताने, योग-ध्यान करने और मानसिक शांति प्राप्त करने का अवसर देना था। लेकिन नियमित रखरखाव और समय पर मरम्मत

नहीं होने से इन संरचनाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती गई। बारिश और मौसम की मार के बीच कुटियां जर्जर होकर गिर गईं। ऐसे में जिस योजना से क्षेत्र में प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद थी, उसकी उपयोगिता पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जाता है कि इन कुटियों की देखरेख की जिम्मेदारी वन विभाग, अमरकंटक की है। इसके बावजूद संरचनाओं को सुरक्षित रखने के लिए समय रहते आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए गए, यह जांच का विषय है। परियोजना पर खर्च की गई राशि और रखरखाव के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी भी सामने आनी चाहिए, ताकि जिम्मेदारी तय हो सके। अमरकंटक धार्मिक पर्यटन के साथ प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

गरबा सीजन-3 में भक्ति और उत्साह का संगम, पत्नी संग डांडिया की ताल पर झूमे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

मंत्री दंपती ने मां आदिशक्ति की आरती कर लिया आशीर्वाद, ढोल की थाप और डांडिया की खनक से भक्तिमय हुआ माहौल

— कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ

मनेन्द्रगढ़। नवरात्रि के पावन पर्व पर चिरमिरी में आयोजित गरबा सीजन-3 का शुभारंभ भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के बीच हुआ। आयोजन के पहले ही दिन मां आदिशक्ति की आराधना के साथ गरबा और डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल अपनी पत्नी श्रीमती कांति जायसवाल के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री दंपती ने मां आदिशक्ति की आरती कर आशीर्वाद लिया वहीं स्वास्थ्य मंत्री ने ढोल बजाकर उत्सव का उत्साह बढ़ाया और पत्नी के साथ गरबा-डांडिया की ताल पर झूमे नजर आये। कांति जायसवाल के गरबा नृत्य ने बढ़ाई आयोजन की रौनक गरबा सीजन-3 के पहले दिन

श्रीमती कांति जायसवाल ने गरबा नृत्य में सहभागिता कर आयोजन की रौनक बढ़ाई। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों के कदमों की थिरकन, डांडिया की खनक और ढोल की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी उत्साह के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। मां आदिशक्ति की आराधना से शुरू हुआ यह आयोजन देर तक भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया। परंपरा, संस्कृति और आस्था का अनूठा संगम गरबा सीजन-3 ने नवरात्रि के दौरान धार्मिक आस्था के साथ भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं की खूबसूरत झलक प्रस्तुत की। गरबा और डांडिया केवल नृत्य नहीं बल्कि सामूहिक सहभागिता, एकता और मां दुर्गा की आराधना



के प्रतीक हैं। आयोजन में लोगों का उत्साह और पारंपरिक नृत्य के प्रति आकर्षण देखते ही बना। पहले दिन की शानदार शुरुआत ने आगामी आयोजनों को लेकर भी उत्साह बढ़ा दिया। संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर श्याम बिहारी जायसवाल इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि नवरात्रि मां आदिशक्ति की आराधना, श्रद्धा और शक्ति का पर्व है। गरबा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो लोगों को एक साथ जोड़ता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने के साथ उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने मां आदिशक्ति से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाये रखने की प्रार्थना की।

रक्तदान मानवता और सामाजिक सेवा का प्रतीक : शासकीय विधि महाविद्यालय में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर संपन्न

फ्रएनएसएस इकाई ने ग्राम बुधवाड़ा में लगाया स्वास्थ्य शिविर, विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

पत्रकार बालकराम अहिस्वार नर्मदापुरम।

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम बुधवाड़ा में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही रेड रिबन क्लब एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी नर्मदापुरम के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज तथा विभागाध्यक्ष शिवाकांत मोर्य के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल के संयोजकत्व में किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज एवं विभागाध्यक्ष शिवाकांत मोर्य ने हरी



झंडी दिखाकर स्वयंसेवकों के दल को ग्राम बुधवाड़ा के लिए रवाना किया। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक सिंह एवं राजदीप सिंह भदौरिया ने स्वयंसेवकों को सेवा भावना के लिए प्रेरित किया। ग्राम में पहुंचकर स्वयंसेवकों ने

जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को नियमित स्वास्थ्य जांच एवं स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। शिविर में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम से डॉ. दीक्षा चौहान, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव एवं डॉ. दिव्यांश तथा

स्वास्थ्य विभाग से नर्सिंग ऑफिसर शनीलेश राठौर (एनसीडी) ने ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थियों ने रक्तदान कर मानवता एवं सामाजिक सेवा का प्रेरक संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने भी अपनी स्वास्थ्य जांच कराकर रक्तदान के माध्यम से समाज सेवा की भावना का परिचय दिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्ड प्रतियोगिता का संग्रहण एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम शर्मा ने किया तथा रिपोर्टिंग डॉ. हरि प्रकाश मिश्र ने की। शिविर में रोहित नोरिया, आनंद सिंह, प्रथमेश दीक्षित, शिवम चौधरी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का सहयोग सराहनीय रहा।

पीएम स्वनिधि योजना से लालू प्रसाद चर्मकार को मिला व्यवसाय आगे बढ़ाने का अवसर

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना पथ विक्रेताओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मददगार

कहानी बदलाव की



साबित हो रही है। जैतहरी नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 04 निवासी श्री लालू प्रसाद चर्मकार इसका उदाहरण हैं, जो फेरी लगाकर इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बेचने का काम करते हैं। नक्शे देखें श्री लालू प्रसाद चर्मकार के लिए इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का विक्रय आजीविका का प्रमुख साधन है। वे अपने काम को आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन पर्याप्त पूंजी नहीं होने से उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी दौरान उन्हें पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। उन्होंने नगर परिषद जैतहरी की राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन शाखा से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक, शाखा जैतहरी से उन्हें पहली बार 10 हजार रुपये का ऋण मिला। श्री लालू प्रसाद ने ऋण की किश्तें समय पर जमा कीं। इसके बाद बैंक से उन्हें 20 हजार रुपये का ऋण मिला। दूसरे ऋण का भुगतान भी निर्धारित समय पर करने के बाद उन्हें 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। वर्तमान में वे इस ऋण की किश्तों का नियमित भुगतान कर रहे हैं। इस तरह योजना के माध्यम से उन्हें चरणबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता मिली और बैंक से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ। पीएम स्वनिधि योजना से मिली सहायता ने श्री लालू प्रसाद चर्मकार को अपने व्यवसाय के लिए पूंजी जुटाने में मदद की है। वे अपने काम के माध्यम से परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उनके लिए समय पर ऋण चुकाने और आगे ऋण प्राप्त करने का अनुभव महत्वपूर्ण रहा है। श्री लालू प्रसाद चर्मकार योजना से मिले सहयोग के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।